

२४^० पत्रावली पत्रा हुये वकील वादी इनपत्रिका
वकील वादी को रुक-रुक कर हावाजे लागत
गली। दाजिर मधीं ये स्वये वादी ही दाजिर
नवीं ये लिहता वास वादी वकील वादी
ही हास दाजरी हास पैसा मे आकि
किआ जाता ये पत्रावली को मले मे सुप्र
धीर हाविल ह फरार ही

सुपखण्ड अधिकारी
रायसिंहनगर

